NAVBHARAT

संस्थापक : स्व. श्री रामगोपाल माहेश्वरी

नवभारत

1934 से

04.11.2017

DMER पर भड़के डॉक्टर

खोला मोर्चा पोस्टिंग की जानकारी नहीं देने का लगाया आरोप

कार्यालय संवाददाता

मुंबई. बांड सेवा नहीं देने वाले डॉक्टरों के खिलाफ कार्रवाई करने के सरकार के फैसले के खिलाफ डॉक्टरों ने मोर्चा खोल दिया है. डॉक्टरों के अनुसार पढ़ाई पूरी करने के बाद ग्रामीण भागों में सेवा देने के लिए वे तैयार थे, किन्तु डीएमईआर की तरफ से पोस्टिंग की जानकारी डॉक्टरों को उपलब्ध नहीं करवाई गई थी. सरकारी अस्पतालों से डिग्री हासिल कर बांड सेवा नहीं देने वाले 4 हजार 548 डॉक्टरों के खिलाफ डीएमईआर. ने कार्रवाई करने का निर्णय लिया है. जिसके तहत स्वास्थ्य विभाग डॉक्टरों का रजिस्ट्रेशन रद्द करने की तैयारी कर रहा है.

■ बिइंग डॉक्टर्स के अध्यक्ष डॉ. दीपक चतुर्वेदी ने कहा कि डॉक्टरों ने स्वेच्छा से अनुबंध पत्र पर हस्ताक्षर किया था. सरकार के शासनादेश के अनुसार संबंधित अधिकारियों को मेडिकल परीक्षा परिणाम घोषित होने के निश्चित अवधि के भीतर डाक्टरों को अनुबंध के तहत पोस्टिंग सौंपना जरूरी होता है. लेकिन डीएमईआर के अधिकारियों ने ग्रामीण क्षेत्रों में पोस्टिंग देने में लापरवाही बरती है. ऐसे में बांड सेवा पूरा नहीं करने के लिए डॉक्टर कैसे जिम्मेदार हो सकते हैं.

■ डॉ.चतुर्वेदी के अनुसार बांड सेवा पूरी नहीं करने वाले डॉक्टरों से बांड की रकम मांगी जा रही है. जो 2 लाख रुपए से 2 करोड़ रुपए तक है. लेकिन डीएमईआर अधिकारियों की लापरवाही का खामियाजा डॉक्टर क्यों भरे.

■ उन्होंने कहा कि बांड सेवा पूरा नहीं करने वाले डॉक्टर का रजिस्ट्रेशन रद्द करने का अधिकार डीएमईआर के पास नहीं है.

तत्काल पोस्टिंग क्यों नहीं

डॉक्टरों के अनुसार सरकार को अगर ग्रामीण भागों में चिकित्सकों की सेवा लेनी थी तो शिक्षा पूरी करने के बाद तत्काल पोस्टिंग देनी चाहिए था. इसलिए डीएमईआर को अपने फैसले पर दुबारा विचार करना चाहिए. 'बिइंग डॉक्टर्स' की सचिव डॉ. निलीमा वैद्य भामरे ने कहा कि बांड सेवा को सही तरीके से लागू करने में सरकार फेल रही है. इस विवाद के चलते डॉक्टरों की छवि खराब हो रही है.

डॉ. स्नेहल भंगे के अनुसार जिन डॉक्टरों को ग्रामीण इलाकों में तैनात किया गया है उन्हें आवश्यक सुविधाओं की कमी से जुझने के अलावा रोगियों और उनके परिजनों के गुस्से का सामना करना पड़ता है.

यहां तक कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर न्यूनतम बुनियादी ढांचे, दवाइयों और अन्य सुविधाओं की बेहद कमी होती है. स्वास्थ्य विभाग को इन कमियों को दूर करने के बजाए डॉक्टरों के खिलाफ कठोर कदम उठाना गलत है.

कमेटी का गठन

समस्या के समाधान के लिए सरकार को समिति का गठन करना चाहिए. ताकि भविष्य में ऐसे घटनाओं को रोका जा सके.

-डॉ. दीपक चतुर्वेदी
अध्यक्ष बिइंग डॉक्टर्स

अच्छी योजना फेल

बांड सेवा के जरिए सरकार ने अच्छी कोशिश की थी. लेकिन इसी योजना को स्वास्थ्य विभाग ठीक तरीके से लागू नहीं कर पाया.

डॉ. निलीमा वैद्य भामरे
सचिव 'बिइंग डॉक्टर्स'